जन्मे हैं लल्ला | by Varsha Shrivastava

आयो संदेसा यशोदा के घर में
जन्मे हैं लल्ला हो .....
जन्मे हैं लल्ला हो जन्मे हैं लल्ला
झूम उठे नन्द जी खुशी की लहर में
जन्मे हैं लल्ला हो .....

चंदा से प्यारा है फूलों सा कोमल
मैया छुपाती है डाल के आँचल
आये ना बिटवा किसी के नज़र में
जन्मे हैं लल्ला हो .....

शहनाई बाजे मृदंग भी बाजे
घर घर रंगोली और दीपक हैं साजे
जोश बड़ा गोकुल की नारी और नर में
जन्मे हैं लल्ला हो .....

लड्डू बताशे का ढेर लगा कर
हलवा इमारति के थाल सजा कर
बाबा ने न्योता है सबको नगर में
जन्मे हैं लल्ला हो .....

विष्णु के अवतारी कृष्ण मुरारी
मुरलीधर गिरधारी रास बिहारी
बालक बन आये हैं सबकी नज़र में
जन्मे हैं लल्ला हो .....

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%9c%e0%a4%a8%e0%a5%8d%e0%a4%ae%e0%a5%87-%e0%a4%b9%e0%a5%88%e0%a4%82-%e0%a4%b2%e0%a4%b2%e0%a5%8d%e0%a4%b2%e0%a4%be-by-varsha-shrivastava/